



श्री गणेश रक्षा स्तोत्र

(भगवान गणेश जी की रक्षा और संकट निवारण हेतु)

जो भक्त श्रद्धा से इस रक्षा स्तोत्र का पाठ करता है, उसके भय, विघ्न, संकट और नकारात्मकता दूर होती है।

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री गणेश रक्षा स्तोत्र ॥

श्री गणेशाय नमः

गजाननं भूतगणादि सेवितं
कपित्थजम्बूफलचारुभक्षणम् ।
उमासुतं शोकविनाशकारणं
नमामि विघ्नेश्वर पादपङ्कजम् ॥

वक्रतुण्डं महाकायं
सूर्यकोटि समप्रभम् ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव
सर्वकार्येषु सर्वदा ॥

एकदन्तं महाकायं
लम्बोदरं गजाननम् ।
विघ्ननाशकरं देवं
हेरम्बं प्रणमाम्यहम् ॥

रक्ष रक्ष गणाध्यक्ष
रक्ष त्रैलोक्यनायक ।
भक्तानां संकटं हन्ता
पाहि मां विघ्ननायक ॥

सर्वतः पातु मां नित्यं
सर्वकार्येषु सिद्धिदः ।
भयशोकविनाशाय
त्वां नमामि गणाधिप ॥

पाठ समय

सुबह घर से निकलने से पहले
नया कार्य शुरू करने से पहले
यात्रा से पहले
संकट समय

